

Riáav. im ÇKDr. श्रीपाण्डुरङ्गार्पणमस्तु (?) Verz. d. B. H. No. 1365.  
 पाण्डुरता (von पाण्डुर) f. die weisse Farbe Riáa-Tar. 4, 198. Pañ-  
 kát. 283, 2.  
 पाण्डुरद्रुम (पा० + द्रुम) m. *Wrightia antidysenterica* R.Br. Trik. 2, 4, 21.  
 पाण्डुरपृष्ठ (पा० + पृष्ठ) adj. = पाण्डुपृष्ठ H. 437. Die Hdschr. u. die  
 Scholien °पृष्ठ.  
 पाण्डुरफली (पा० + फल) f. ein best. Strauch, = पाण्डुफली, पाण्डु,  
 धूसरा, भूरिपलितदा, वृत्तवीजका Riáan. im ÇKDr.  
 पाण्डुराग (पा० + राग) m. *Artemisia indica* (दमनक) Riáan. im ÇKDr.  
 पाण्डुरानु (पाण्डुर + अनु) m. eine Art Zuckerrohr, = श्वेतानु Riáan.  
 im ÇKDr.  
 पाण्डुरोग (पा० + रोग) m. *Gelbsucht* Suça. 1, 90, 11. 139, 20. 258, 19.  
 2, 466, 9. fgg. Varán. Brh. S. 31, 14. °ब्र Suça. 1, 139, 2. 190, 3. °नाशन  
 165, 14. °र 193, 6.  
 पाण्डुरोगिन् (vom vorherg.) adj. *gelbsüchtig* Suça. 1, 43, 10. 111, 7.  
 पाण्डुलेख (पा० + लेख) n. Skizze, Conceptschrift, Nicht-Reinschrift,  
 mit einem Griffel oder Kreide gemacht: पाण्डुलेखेन फलके भूमौ वा प्र-  
 थमं लिखेत् । न्यूनाधिकं तु संशोध्य पश्चात्पक्षे निवेशयेत् ॥ Vjása im  
 ÇKDr. Suppl.  
 पाण्डुलोमशा (पा० + लो०) f. *Glycine debilis* Att. Ratnam. im ÇKDr.  
 पाण्डुलोमा (पा० + लोमन्) f. dass. Gáṭādh. im ÇKDr.  
 पाण्डुवर्मदेव (पा० - वर्मन् + देव) m. N. pr. eines Fürsten Inschr. in  
 Journ. of the Am. Or. S. 6, 539, 1.  
 पाण्डुशर्करा (पा० + श०) f. *Blasengries* Gáṛuḍa-P. 182 im ÇKDr.  
 पाण्डुशर्मिला (पा० + श०) f. Bein. der Draupadī, der Gattin der  
 Söhne des Pāṇḍu, Trik. 2, 8, 17.  
 पाण्डुसोपाक (पा० + सो०) m. N. einer Mischlingskaste, der Sohn eines  
 Kāṇḍāla (von einer Vaidehi Kull.) M. 10, 37 = MBh. 13, 2588, wo  
 aber °सोपाक gelesen wird.  
 पाण्डुक m. eine best. Reisgattung Varāh. Brh. S. 28, 2. — Vgl. पाण्डुक.  
 पाण्ड्य (von पाण्डु) P. 4, 1, 168, VArtt. 3. m. pl. N. pr. eines Volkes  
 und des von ihm bewohnten Landes im Dekhan LiA. I, 156. fgg. MBh.  
 2, 1174. 3, 8339. 6, 2084. 7, 398. 8, 455. Hariv. 1836. 12838. R. 4, 41, 15.  
 25. Suça. 1, 41, 6. Ragh. 4, 49. Mārk. P. 58, 31. °रात्र, °नरेश्वर, °नाथ  
 MBh. 2, 1121. Hariv. 6583. Varāh. Brh. S. 4, 10, 11, 57. °राष्ट्राधिप MBh.  
 1, 2678. Muia, Sanskrit Texts II, 89. sg. (mit und ohne नृप u. s. w.)  
 ein Fürst der Pāṇḍja P. 4, 1, 168, VArtt. 3. MBh. 1, 544. 7020. 2, 585.  
 1893. 5, 578. Hariv. 6726. 9146. 9600. Ragh. 6, 60. Varāh. Brh. S. 6, 3.  
 Bhāg. P. 4, 28, 29. 8, 4, 7. Inschr. in Journ. of the Am. Or. S. 6, 504, Çl.  
 12. Colebr. Misc. Ess. II, 273. wird als ein Sohn Ākriḍa's betrachtet  
 Hariv. 1836. Der sg. bezeichnet auch das Gebirge des Landes: पाण्ड्यं  
 शैलम् MBh. 3, 15250. मन्दरे पाण्ड्यशिखरे (v. l. मन्दारपाण्ड्यगिरिषु; nach  
 dem Schol. = पाण्ड्यदेशगिरिषु) R. 4, 37, 2. उत्तरपाण्ड्यमहेन्द्राद्रि Varāh.  
 Brh. S. 16, 10. पाण्ड्य v. l. für पाण्डु N. pr. eines Volkes in Madhja-  
 deça ebend. 14, 3.  
 पाण्ड्यवाट (पा० + वाट) N. pr. einer Gegend, in der Perlen gefunden  
 werden: निम्बफलत्रिपुटधान्यकचूर्णाः स्युः पाण्ड्यवाटभवाः (मुक्ताफलाः)  
 Varāh. Brh. S. 82, 6. Davon adj. °क zur Bez. der Fundgrube 2.

पाण्ड्य (von पाण्डु) 1) n. ein ungefärbtes wollenes Gewand Çat. Br. 5,  
 3, 21. Kātj. Çr. 15, 5, 12. — 2) m. v. l. für पाण्डु und पाण्ड्य N. pr.  
 eines Volkes in Madhjadeça Varāh. Brh. S. 14, 3.  
 पाण्ड्यमय (पाण्डु + मय) m. = पाण्डुरोग *Gelbsucht* Suça. 1, 138, 7.  
 2, 466, 12. 468, 10. Davon पाण्ड्यमयिन् adj. *gelbsüchtig* 467, 12. 469, 17.  
 1. पाण्य (von पाणि) 1) adj. zur Hand gehörig: ऋङ्कुल्यः Çat. Br. 3, 1,  
 4, 23. 8, 4, 1. — 2) patron. = कैण्डिन्य Verz. d. Oxf. H. 128, a (No. 229).  
 2. पाण्य partic. fut. pass. von 2. पाण P. 3, 1, 101, Sch.  
 पाण्यस्य (पाणि + मयस्य) adj. = पाणिमुख dessen Mund die Hand  
 ist: ब्राह्मण्य Çāṅkh. Grh. 4, 7. M. 4, 117.  
 1. पात partic. s. u. 2. पात.  
 2. पात (von 1. पत् = पर्त gaṇa ज्वलादि zu P. 3, 1, 140. = पतन P.  
 6, 3, 71, Sch. = धंश Trik. 3, 3, 169. = निपातन Med. t. 32. 1) Flug, Flug-  
 art: शतमेकं च पातानां पतितास्मि MBh. 8, 1898. 1905. 1907. वडवे इव  
 संयुक्ते श्येनपाते 3, 10646. — 2) das Stichtürzen in: वरं वक्रैः पातः  
 Bhartṛ. 2, 77. पावन्मुर्षुः पातेन व्यवहार्यस्ति सो ऽम्बुधेः (lies ऽम्बु-  
 धौ) Çatr. 10, 82. Fall, Sturz: न ममार स पातेन MBh. 1, 6741. हुमस्य  
 Kumāras. 2, 41. Varāh. Brh. S. 42 (43), 64. पुरीषस्य Pañkāt. 192, 2.  
 तव काष्ठात्पातो भविष्यति 76, 20. जलस्य Varāh. Brh. S. 27, c, 13. कप-  
 दानाम् (beim Spiele) P. 2, 1, 10, Sch. उत्तमास्त्रं महापातम् Hariv. 6901.  
 6908. वेधः पातश्च लक्ष्येषु योगश्चैव तवार्जुन Wurf MBh. 8, 3615. पाताय  
 नर्कार्णवे Kathās. 49, 55. गर्भस्य Abgang des Fötus (vgl. गर्भपात) Suça.  
 1, 279, 1. करनिहितकण्डुकसमाः पातोत्पाता मनुष्याणाम् Spr. 1292. Ka-  
 thās. 25, 44. In comp. a) mit dem subj.: गृह्णु Kathās. 28, 149. उत्का  
 Gobh. 3, 3, 16. Hariv. 9300. वज्रं R. 1, 28, 26 (adj.). Prab. 67, 10. Pañkāt.  
 66, 19. कुलिशं 77, 13. विद्युत् Prab. 94, 3. प्रूलं Dev. 8, 34. इषु MBh.  
 4, 1641. बाणं Kathās. 27, 2. बाणपातवर्तिन् in Pfeilschussweite sich  
 befindend Çāṅk. 6, 13. शम्यां Stockwurfweite M. 8, 237. शक्रपाते wenn In-  
 dra's Fahne fällt d. i. herabgenommen wird Jāñ. 1, 147. वर्षपातेः Mārk.  
 85, 23. वृष्टिं Ragh. 11, 92. तोयं Regen Varāh. Brh. S. 88, 22. हिमं  
 43, 94. कौमकाले यथा वक्रिरास्यपातमवेतते Mārk. P. 14, 5. प्रलवणाद्गृ-  
 जलपातमनोरमम् 61, 23. घ्नन् MBh. 14, 1638. Śāh. D. 25, 17. 18. रेतः  
 Samenergussung Kull. zu M. 5, 63. यथा नपत्यसूकपातेर्मृगस्य मृगयुः प-  
 दम् nach dem zur Erde gefallenene Blute M. 8, 44. घ्नसूकपाते wenn Blut  
 geflossen ist Jāñ. 3, 293. नतजं Varāh. Brh. S. 94, 48. चरणं das Nie-  
 derfallen der Füße, Fusstritt Hariv. 13607. कदाचिन्म डुर्गे चरणपातो  
 (ist unter dem W. zu 1. zu stellen) ऽपि त्वया न कर्तव्यः Pañkāt. 113, 2.  
 यस्याङ्घ्रिपाते र्णार्भून् सेहे Bhāg. P. 3, 1, 37. पद्मं das Fallen der Augen-  
 wimpern so v. a. das Schliessen der Augen Ragh. 11, 36. खड्गं das Nie-  
 derfallen des Säbels, Säbelhieb Kathās. 27, 50. शलाकानखपातेः MBh. 3,  
 353. Hariv. 4719. 13868. कटात् Seitenblick MBh. 2, 2238. दृष्टिं (s.  
 auch bes.) Ragh. 13, 18. लोचनं (लोचनापात dem Versmaass entspre-  
 chender Kathās. 4, 41). Uṣak. 39. शरीरं der Fall —, der Untergang  
 des Körpers Kumāras. 3, 44. Çāṅk. zu Brh. Ār. Up. S. 227. 230. Gaṇap.  
 zu Śāṅkhjak. 67. देहं Kathās. 49, 96. das einfache पात in ders. Bed.  
 Wind. Sancara 122. घ्रातम् der Fall so v. a. die Wiederkehr der Seele  
 Bhāg. P. 2, 1, 39. — b) mit dem Ausgangspunkte des Falls: कूलं Sturz  
 vom Ufer R. 2, 103, 4. पर्वतं Çatr. 10, 184. वर्त्मं das Abkommen vom